1 मत बाँटो इनसान को

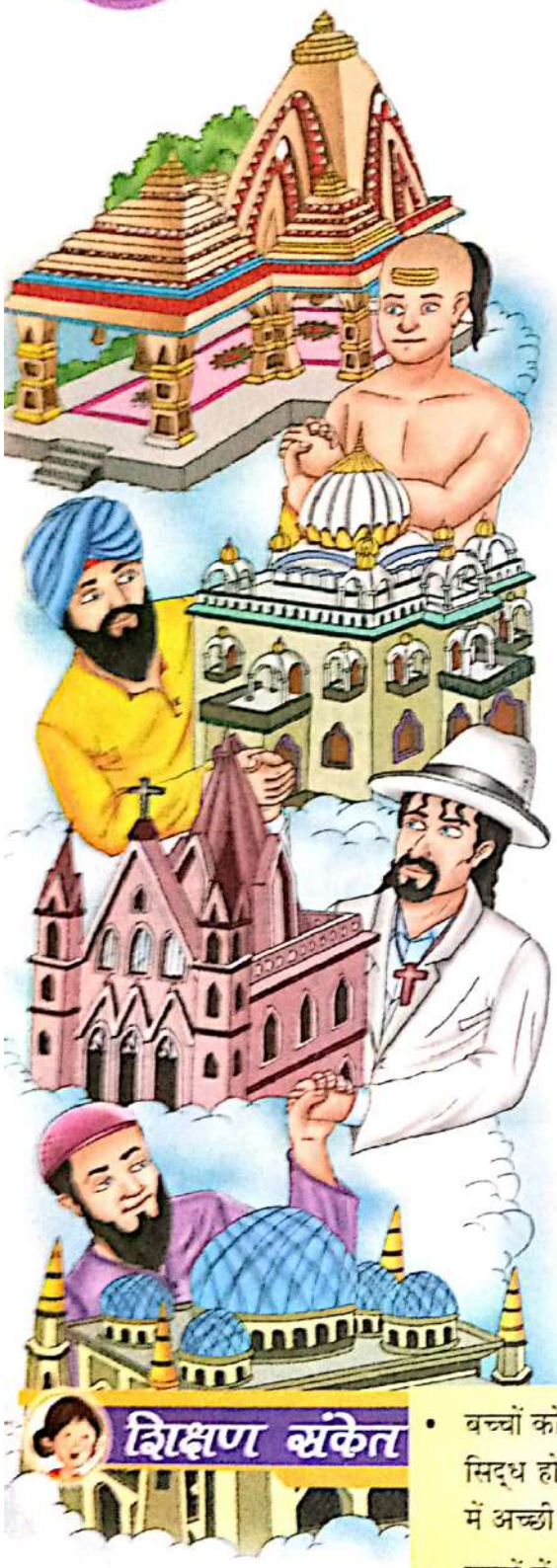

मंदिर-मसजिद-गिरजाघर ने
बाँट लिया भगवान को।
धरती बाँटी सागर बाँटा
मत बाँटो इनसान को।।

अभी राह तो शुरू हुई है
मंज़िल बैठी दूर है।
उजियाला महलों में बंदी
हर दीपक मजबूर है।।

मिला न सूरज का संदेशा
हर घाटी-मैदान को।
धरती बाँटी सागर बाँटा
मत बाँटो इनसान को।।

अब भी हरी-भरी धरती है
ऊपर नील वितान है।
पर न प्यार हो तो जग सूना
जलता रेगिस्तान है।।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को मिल-जुलकर रहने की सीख दें और बताएँ कि कट्टरपंथी होना बहुत घातक सिद्ध होता है। अत: कट्टरता को त्यागकर सहजता को अपनाना चाहिए। प्रत्येक धर्म में अच्छी बातें होती हैं, उन्हें अपनाना चाहिए।
- बच्चों में परोपकार की भावना जगाएँ। उन्हें समझाएँ कि जिस प्रकार प्रकृति हमसे बिना कुछ माँगे अपना सब कुछ लुटा देती है, उसी प्रकार मनुष्य को भी किसी प्रकार की अपेक्षा न रखकर दूसरों के काम आना चाहिए।

Scanned with CamScanner

अभी प्यार का जल देना है
हर प्यासी चट्टान को।
धरती बाँटी सागर बाँटा
मत बाँटो इनसान को।।

साथ उठें सब तो पहरा हो
सूरज का हर द्वार पर।
हर उदास आँगन का हक हो
खिलती हुई बहार पर।।

रौंद न पाएगा फिर कोई
मौसम की मुसकान को।
धरती बाँटी सागर बाँटा
मत बाँटो इनसान को।।

–विनय महाजन

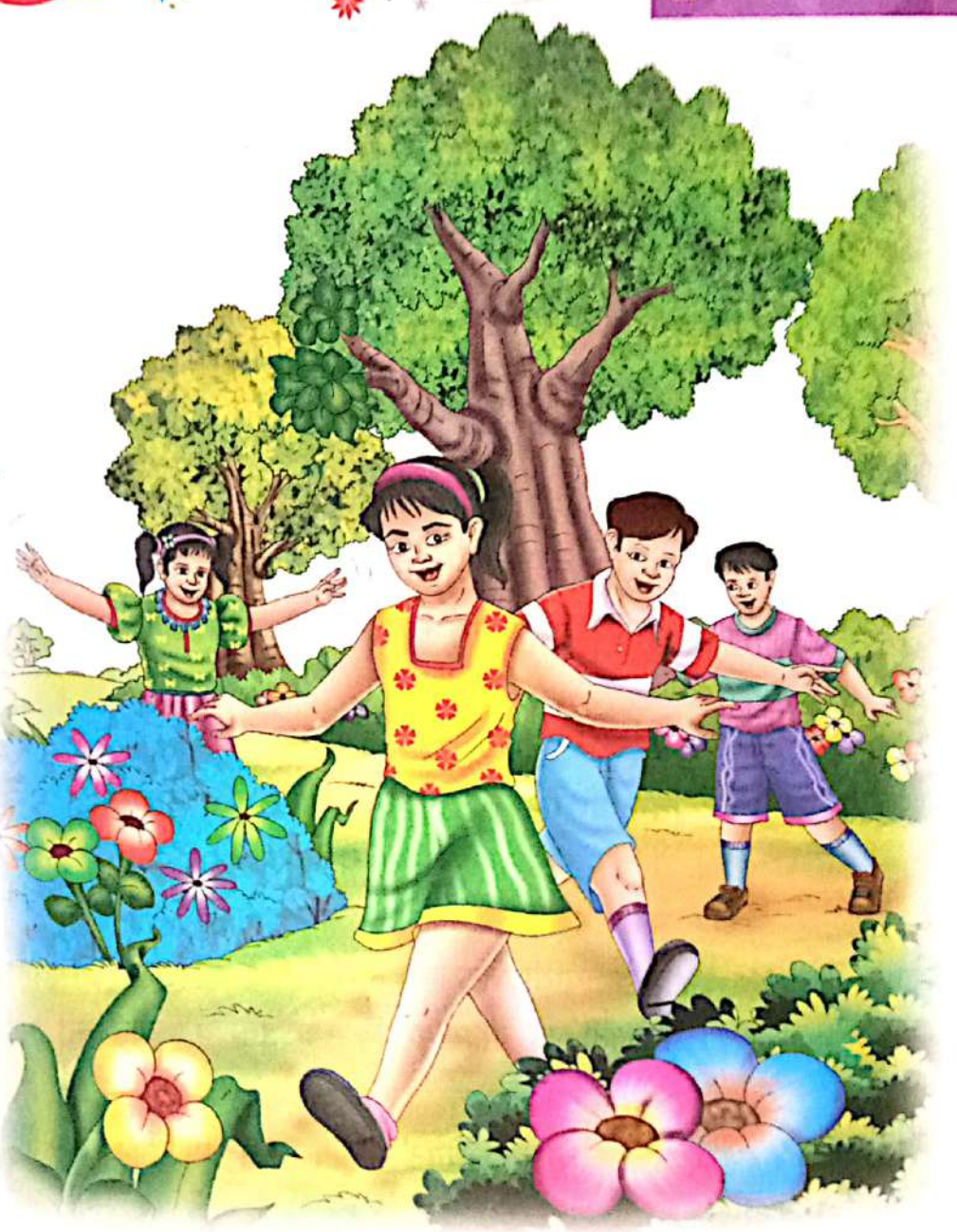

शब्दार्थ

बाँटना	–	विभाजित करना	इनसान	–	मनुष्य
राह	–	मार्ग	बंदी	–	कैद
संदेशा	–	संदेश, खबर	वितान	–	विस्तार
पहरा	–	निगरानी, देखरेख	हक	–	अधिकार
बहार	–	सुखद वातावरण	रौंदना	–	कुचलना

Scanned with CamScanner

मौखिक

1. पढ़िए और बोलिए–

मसजिद मंजिल रेगिस्तान प्यासी मौसम आँगन

2. सोचकर बताइए–

(क) इनसान को बाँटने का क्या अर्थ है?

(ख) इनसान ने किस-किस को बाँट लिया है?

(ग) धरती और सागर को बाँटने से कवि का क्या तात्पर्य है?

लिखित

1. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए–

(क) कवि किसे नहीं बाँटना चाहता है? .....

(ख) घाटी-मैदान को किसका संदेशा नहीं मिला है? .....

(ग) कवि प्यासी चट्टानों को किसका जल देने की बात कर रहा है? .....

(घ) खिलती हुई बहार पर किसके हक की बात की गई है? .....

2. नीचे दिए प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए–

(क) उजाले के बंदी बनने से कवि का क्या तात्पर्य है?

.....

.....

(ख) प्यार के बिना हरी-भरी धरती किसमें बदल जाती है?

.....

.....

(ग) पंक्तियों का भावार्थ समझाइए–

(*i*) अभी राह तो शुरू हुई है, मंजिल बैठी दूर है।
उजियाला महलों में बंदी, हर दीपक मजबूर है।

.....

.....

Scanned with CamScanner

(*ii*) साथ उठें सब तो पहरा हो सूरज का हर द्वार पर।
हर उदास आँगन का हक हो खिलती हुई बहार पर।

.....

.....

(*iii*) रौंद न पाएगा फिर कोई मौसम की मुसकान को।
धरती बाँटी सागर बाँटा मत बाँटों इनसान को।

.....

.....

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

(क) अब भी हरी-भरी धरती है
ऊपर नील वितान है।
पर न प्यार हो तो जग सूना
जलता रेगिस्तान है।।

.....

.....

.....

.....

.....

(ख) साथ उठें सब तो पहरा हो
सूरज का हर द्वार पर।
हर उदास आँगन का हक हो
खिलती हुई बहार पर।।

.....

.....

.....

.....

.....

Scanned with CamScanner

समान अर्थ वाले शब्दों को समानार्थी या पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

भाषा ज्ञान

1. नीचे दिए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

भगवान – ....
सागर – ....
सूरज – ....
जल – ....
धरती – ....
राह – ....
इनसान – ....
चट्टान – ....

2. नीचे दिए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

बंदी – .....
गुरु – .....
प्यासी – .....
उजाला – .....
प्यार – .....
उदास – .....

कुछ शब्द सदा एकवचन में प्रयुक्त होते हैं। उनका बहुवचन रूप नहीं होता।

3. नीचे दिए शब्दों के बहुवचन रूप पर (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) भगवान
(i) भगवान ☐ (ii) भगवानों ☐ (iii) भगवानें ☐

(ख) चट्टान
(i) चट्टान ☐ (ii) चट्टानों ☐ (iii) चट्टानी ☐

(ग) इनसान
(i) इनसान ☐ (ii) इनसानों ☐ (iii) इनसानियत ☐

(घ) जल
(i) जल ☐ (ii) जलों ☐ (iii) जलों के लिए ☐

कविता से आगे

- यदि देशों की कोई सीमा नहीं होती और सबको प्रत्येक जगह जाने की पूर्ण स्वतंत्रता होती तो क्या होता? क्या तब भी देश आपस में झगड़ा करते? सोचकर बताइए।
- मनुष्य एक बुद्धिमान प्राणी है। उसने बुद्धि के बल पर पहाड़ों एवं समुद्रों पर भी राह बना ली है। आकाश की ऊँचाई भी मनुष्य के लिए अछूती नहीं रही। परंतु यह सब करके भी क्या मनुष्य सुखी है? क्या वह स्वयं को बेड़ियों में जकड़ा हुआ महसूस नहीं करता है? क्या मनुष्य की बुद्धि ही इन सब सीमाओं (बंधनों) का कारण है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

Scanned with CamScanner

नन्हे हाथों से

- चित्र को देखकर इसके प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन करते हुए कोई कविता या अनुच्छेद लिखिए–

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

कुछ करने को

- भगवान ने मनुष्य को धरती पर इंसान के रूप में भेजा। हमने उसे देश, धर्म, जाति और न जाने कितने भागों में बाँट दिया है। अध्यापिका की मदद से इस तथ्य को दर्शाने वाला एक नाटक तैयार कर उसका मंचन कीजिए और नाटक में सबको मिल-जुलकर रहने की सीख दीजिए।

आप क्या करेंगे?

- यदि कोई पोंगा पंडित धर्म के नाम पर आपको भ्रमित करना चाहे और आपके सच्चे मित्र के बारे में गलत बात कहे जो किसी दूसरे धर्म में विश्वास रखता हो तो आप क्या करेंगे?
- यदि विद्यालय में जाति और धर्म के नाम पर किसी छात्र के साथ भेदभाव हो रहा हो तो आप क्या करेंगे?

Scanned with CamScanner